Written by मेरी बटिया संवाददाता
Wednesday, 14 March 2018 21:58

: □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□, □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ : □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ : □□□□□□ □□□□□□ □□□□, □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ : □□□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□, □□ □□□□□□□□ □□□□ □ □□□□□□□ □□□□□□□□ : □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ :

□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□

□□□□□□□□ :मशि्रखि के धार्मकि मेले में □क प्रतषि्ठति अखबार के कुछ तथाकथति पत्रकारों ने सहयोग के नाम पर दुकानदारों से की अवैध वसूली पर आज यहां जमकर हंगामा हुआ□ दूकानदारों का आरोप है कि इस अवैध उगाही में हनि्□दुस्□तान अखबार के कुछ पत्रकार शामलि हैं□ खफा दूकानदारों ने आज इसी मसले पर अपनी दूकानें उखाड़ लीं, और उसके बाद नगर पालकिा कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कयिा□ बाद में यह लोग कोतवाली पर भी अपनी शकियित करने पहुंचे□ पुलसि ने मामले को दर्ज तो नहीं कयिा है अभी तक, लेकनि यह आश्□वासन दयिा है कि जांच की जा□गी□ लेकनि इस आश्□वासन से असहमत और क्षुब्□ध दूकानदारों का फैसला है कि भवषि्□य में यहां होने वाले मेले पर शरिकत नहीं करेंगे□

मशि्रति होली परक्रिमा मेले में नगर पालकिा परषिद के क्रमदुकानदार कमलि दीक्षति, कृष्ण कुमार , मो . इलयिास , मो. जावेद , प्रदीप कुमार , गोपीलाल, शविशंकर , हनीफ, शविकुमार, शकील, दीनानाथ आदि सैकड़ो दुकानदारो ने □क प्रतषि्ठति अखबार के कई पत्रकारों को खुलकर कराई गयी अवैध वसूली में आज □कजुट होकर अपनी दुकानों के परदे गरिा दि□□ नगरपालकिा गेट पर जमकर वरिोध प्रदर्शन कयिा□ मेला प्रशासन की चरिौरी भी दुकानदारों के आगे बौनी ही साबति हुई□ अंतत□ कसिी तरह दनि के तीन बजे मेला प्रशासन की तरफ से मेला सचवि दुकानदारों को मनाने में कामयाब हो पा□ तब जाकर दुकानें खुलीं□ इन दुकानदारों ने मेला के दो कर्मचारियों के साथ ही अवैध वसूली करने वाले □क ही अखबार के कई पत्रकारों के वरिुद्ध कोतवाली में तहरीर दी है, इस मामले की जांच दरोगा कृष्ण मोहन सहि को सौंपी गई है□

प्राप्त जानकारी के अनुसार फाल्गुन मास की अमावस्या तथिि से 84 कोसीय धार्मकि मेला परक्रिमा शुरु होता है जसिमें देश वदिेश के लाखों परक्रिमार्थी भाग लेने आते है□ इस परक्रिमा का समापन पूरणमि तथिि को होलकिा दहन के साथ हो जाता है□ फरि यह मेला सामाजकि मेले के रूप में परविर्तति होकर लगभग □क माह तक चलता रहता है जसिमें प्रदेश के अनेक स्थानों से आ□ सैकड़ों दुकानदार □वं खेल तमाशा आदि की दकाने मेले की रौनक बढ़ाती हैं□ इस सामाजकि मेले में मेला अधकिारी प्रभाकांत अवस्थी की शह पर मेला सचवि आर.पी.सहि ने अपने अधीनस्थ कर्मचारी शालकिराम मौर्य और वजिय पाण्डेय को भेजकर लखनऊ से प्रकाशति प्रतषि्ठति अखबार हदिुस्तान के कुछ कथति संवाददाताओं का सहयोग करने के लि□ प्रति बड़े दुकानदार 1000 रुपये तथा मझोले दुकानदार से 500 रुपये और छोटे दुकानदार से 200 रुपये खुलेआम वसूली करा रहे थे□

Written by मेरी बटिया संवाददाता
Wednesday, 14 March 2018 21:58

मेले के दुकानदार बताते हैं कि लगभग 35 से 40 ,000 रुपये के मध्य यह अवैध वसूली उक्त अखबार के कथित संवाददाताओं का सहयोग करने के नाम पर कराई गई है लेकिन अवैध वसूली का यह सलिसलिा थमने का नाम ही नहीं ले रहा था जसिसे मेले में आ□ सभी दुकानदार आज आक्रोशति हो उठे और गांधीनगर नौबस्ता कानपुर के कपड़े दरी कालान व कम्बल के व्यवसाई दीनानाथ शुक्ला पुत्र वशिंभरनाथ शुक्ला की अगुवाई में सभी दुकानदारों ने अपनी दुकानों के पर्दे गरिा दि□ और नगरपालकिा गेट पर □कत्र होकर अवैध वसूली के वरिुद्ध जमकर वरिोध प्रदर्शन करने लगे जसिसे दुकानदारों के आगे पूरा मेला प्रसाशन चरिौरी करता नजर आया□

लेकनि आक्रोशति दुकानदारों ने मेला प्रशासन की □क भी नही सुनी और कार्यवाही की मांग पर बराबर डटे रहे तो मेला प्रशासन के सभी अस्थ‍ि पंजर ढीले हो गये और पुलसि प्रशासन ने पीड़ति दुकानदारों से तहरीर लेकर प्रथम सूचना रपिोर्ट दर्ज कर कार्यवाही करने की बात कही है जसिकी ववि‍ेचना का दायत्वि दरोगा कृष्ण मनमोहन सहि को सौंपा गया है इस सकिायत की रसीद प्राप्ती सं. 14 0 36 पर है मेला प्रशासन व्दारा कार्यवाही के आश्वासन पर सायं 3 बजे के लग भग दुकानदार काफी मान मनौवल के बाद दुकान खोलने पर राजी हु□ है वहीं जहां पर मेला प्रशासन ने इन दुकानदारों को अवैघ वसूली करने के वरिुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दयिा है वही दुकानदारों ने भी कार्यवाही के अभाव में अगले वर्ष इस धार्मकि मेले में न आने की कड़ी चेतावनी दे डाली है जसिसे यह मामला क्षेत्र में काफी चर्चा का वषिय बना हुआ है और शासन प्रशासन की क्षेत्र मे जमकर करिकरिी हो रही है□